

ऊंचाई, वजन, सिर- बढव्य क चार्ट ।



ई हर लडिक्याँ - लडकीके पास होव्यके चाही।

स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र में निम्नलिखित जानकारी होथ।

1) बढव्य क आलेख (चार्ट)
वजन, उंचाई, सिर

2) टिका क चार्ट (टिकाकरण तालिका)

3) अन्य आरोग्य विषय क जरूरी बात।

4) लडिक्याँ क फोटो।

ई लेखक 4 हिस्सा बा :-

1) लडिक्याँ कईसे बढथेन? ई बढाव के कईसे गिनथेन या नापथेन?

2) ओन्हनक बढव्य क चार्ट कईसे बनाव्यंके?

3) स्वास्थ्य क प्रमाण पत्र मतलब कि बढव्य क चार्ट कईसे भरयं के?

4) स्वास्थ्य प्रमाण पत्र क राष्ट्रीय महत्त्व.

ई लिखल पढके सबके बताव्यं :-

1) हम सभे अपने सभय लडकी। लडिक्याँ के 6 फूट उचां, बलशाली अऊर बुद्धीमान बनाय सकीथ।

2) ऐकरे बीना ओन्हन क बढत के ओर, स्वास्थ्य प्रमाण पत्र के, बढते क चार्ट नियमित रूपसे भरयं के , ओन्हन के ओरी ध्यान देयं।

3) ई बढत क आलेख वाला स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जन्मय से ही जन्म प्रमाण पत्र जईसन हि होव्यके चाही।

4) ई प्रमाण पत्र होऊब, ऊ ठिक तरिका से भरब अऊर अच्छेस बढब ई हर लडिक्याँ क जन्म दिन अधिकार बा। स्वास्थ्य क प्रमाण पत्र भरब अऊर लडिक्यन के अच्छेसे बढवब ई महतारी बापे क कर्तव्य बा।

5) भारत ई 121 देश के लडिक्यॉ के अधिकारे के दस्तवेज पे हरताक्षर किए बा अऊर लडिक्यॉ के अच्छेसे पालन पोषण अऊर ओकरे विकास क अधिकार दिया बा।

6) बडकन के लगे मतदान पहचान पत्र अऊर लडिक्यॉ बीना स्वास्थ्य प्रमाण पत्र के अनिवार्य कीहा गयल बा। ई होव्य के चाही।

7) स्वास्थ्य प्रमाण पत्र कुल लडिक्यन के देव्य बीना महिला बालकल्याण निधी से जिला परिषद, नगरपरिषद, ग्राम पंचायत, राज्य अऊर केन्द्र सरकार के ई खर्चा करयं के चाही। 10 प्रतिशत निधी मेहरारू अऊर बाल कल्याण हेतू रहथेत। ओन्हणे ई प्रमाण पत्र बीना खर्च करयके चाही । ई तरिका क बिन्ती पत्र समय के लिखके आजयं भेजयं के चाही।

8) आधा सजन संख्या लडिक्यन क बा । ईहिबीना आधा खर्च लडिक्यन पे होवय के चाही । 60 साल क अधुरा काम पूरा करयं के चाही।

स्वास्थ्य प्रमाण पत्र 40 करोड लडिक्यन के जल्दी ययं मिलयं के चाही। नगरसेवक, विधायक, सांसद आदी लोक प्रतिनिधी क प्रतिनिधीत्व करयं वालन में आधा लडिक्यॉ हि होथेन। साल 2001 जनगणना के

मलभूतसे अपने ईहा 41% लडिक्यॉ बाऐन। ई लडिक्यन के ओरसे आपन सभे फोन से, ई-मेल से, एम.एम.एस. से, लडिक्यन के बढत चार्ट अऊर स्वास्थ्य प्रमाण पत्र देवावय बीना बिन्ती करब तई सभय समाज सेवक हऐन खुशीसे समाज के उद्धार बीना ई काम करिहीं। आपन देश जादुई लोक देश बा ईहा प्रयास करयं से सब काम होय सकथ।

ई प्रकार के प्रयास से देश क स्वास्थ्य सुधरी अऊर देशन के गिन्तीं में अपनव देश क गिनती होई।

9) लडिक्यन देश क भविष्य बाऐन। ओन्हने उचां, निरोगी, बुद्धिमान अऊर जग में हर जगह पे जीतयं ऐथा बीना आप अनय पालक बनयं। ई जानकारी 15 भाषा में लिख, भाषण-रेडिओ, टी.वी. अऊर चिट्ठी पत्रिका के मदत से सबके देब। सभय पढ्यवाले, समाजसेवक, राजनेता, पत्रकार, गुरुजी, ग्रामसेवक अऊर डॉक्टर के ई जानकारी सभयं गांव वालन के देव्यके चाही। ई हमार सकर बिन्ती बा।



**दिमाग बढा त सीर
बढा।**

**माथा क बढत नापके
दिमाग क बढत
नापथेन।**



**ऐहिबीना माथा क घेरा
मापथेन।**

लडिक्यन के सांस लेव बीना घरे के बडे लोगन से कवन अनुमति लेखक जरूरत नाय बा।

लडिक्याँ पईदायशी आजाद होथेन, घरे क राजा होथेन। लेकिन ओन्हनके खाए पिययक आजादी नायबा। मुंबई समुद्र के किनारा पे बसा बा। ईहा के हवा में खूब नमी होव्य के वजह से खूब पसीना आवथ। ऐसे प्यास खूब लगथ। जवने लडिक्यन के प्यिास लगथ। ऊ खूब रौवथ। पानी कम पडथ। ऐसे शरीर गरम होयके तपथ। बुखार आवथ, अऊर शरीर में पानी न होव्यसे पसीना कहाँ से आई? अईसन लडिक्यन के बुखार आवथ। ओन्हनके धूप के दिना में अस्पातल में भरति करयं पडथं।

घर में लडिक्यन के वजह से पानी गिराय के अस्वच्छता (गंन्दगी) न फईले ऐकरे बीना पानी लडिक्यन से दूर रखा

जाथ। ऐकरे चलते लडिक्याँ पानी
बीना मोहताज होयी जाथं। ई
बुरी लगय वाली बात सत्य
स्थिती दर्शावथं। हर गर्मी में
अपने अस्पताल में पीययंके
पानी के कमी के वजह से बुखार
होव्यसे लडिक्याँ भरती होथेन।

स्वामी पूरे घरेक पर पानी बीना
भूखल- प्यासल, अईसन दुर्भाग्य
समय लडिक्यन पे होय जाथ।
ई बदलय के चाह।